बीते कई दिनों से उमस भरी गर्मी से परेशान जयपुर वासियों को रविवार शाम को रिमझिम बारिश के बाद बड़ी राहत मिली। मौसम विभाग ने जयपुर सहित प्रदेश में कई जिलों में तेज बारिश की सम्भावना जताई है। जयपुर में बीते एक हफ्ते से बारिश बिल्कुल नदारद सी हो गई थी और तेज उमस भरी गर्मी पड़ने लगी थी। लेकिन रविवार शाम को आई बारिश से एक बार फिर जयपुर का मौसम सुहाना हो गया। खुशनुमा मौसम में सीकर रोड पर सवाई मानसिंह द्वार को बादलों ने ताज पहना दिया और सड़क पर जमे पानी में द्वार के प्रतिबिम्ब ने अद्भूत नज़ारा पेश किया।

-फोटो दिनेश भारद्वाज

कर्नाटक कांग्रेस के वरिष्ठ नेता के मु.मंत्री सिद्धारमैया पर दिये बयान से खलबली

हरिप्रसाद ने कहा कि, वे अच्छी तरह से जानते हैं कि, किसी को मुख्यमंत्री कैसे बनाना है या किसी को पद से कैसे हटाना है

- **हरिप्रसाद ने एडिगा, बिलावा, नामधारी और धीवारा समुदायों की एक बैठक में मु.मंत्री सिद्धारमैया की कड़ी आलोचना की। उन्होंने उडुपी जिले के करकला में कोटि चेन्नय्या थीम पार्क को पांच करोड़ रुपये प्रदान करने का वादा करने के बाद भी कुछ नहीं करने के लिए सिद्दारमैया की आलोचना की। उन्होंने कहा, सिद्धारमैया राजनीतिक तौर पर मेरी मदद नहीं कर सकते, बल्कि मैं उनकी मदद कर सकता हूं।**
- **गौरतलब है कि, कर्नाटक में चुनाव में जीत के बाद सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री तो बना दिया गया। हालांकि, पार्टी में उस समय मुख्यमंत्री पद किसे दिया जाये इस बात को लेकर पार्टी के अंदर बड़ी खींचतान हुई थी।**

बेंगलुरु, 23 जुलाई (वार्ता)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता बी.के. हरिप्रसाद के बयान से कर्नाटक में सत्तारूढ़ दल में खलबली मच गयी है।

दरअसल, हरिप्रसाद ने कहा कि, वे अच्छी तरह से जानते हैं कि किसी को मुख्यमंत्री कैसे बनाना है या किसी को पद से कैसे हटना है। उन्होंने यह बयान एडिगा, बिलावा, नामधारी और धीवारा समुदायों की एक बैठक में कीं। उन्होंने कहा, मैं नहीं झुकूंगा या भीख नहीं मांगूंगा। मैं स्पष्ट कर दूं। अगर कोई अन्याय होता है, तो कोटि चेन्नया (महान तुलुवा जुड़वां नायक) ने कहा है इसका सामना कैसे किया जाए। बेंगलुरु में 49 साल तक राजनीति करना कोई बच्चों का खेल नहीं है।

उन्होंने कहा कि वे पहले ही ऑल इंडिया कांग्रेस काउन्सिल (ए.आई.सी.सी.) की टीम के साथ पांच राज्यों पुडुचेरी, गोवा, झारखंड, हरियाणा और पंजाब में पांच मुख्यमंत्रियों को बनाने भूमिका निभा चुके हैं। उन्होंने उडुपी जिले के करकला में कोटि चेन्नय्या थीम पार्क को पांच करोड़ रुपये प्रदान करने का वादा करने के बाद भी कुछ नहीं करने के लिए सिद्दारमैया की आलोचना की। उन्होंने कहा, वह राजनीतिक तौर पर मेरी मदद नहीं कर सकते, बल्कि मैं उनकी मदद कर सकता हूं।

हरिप्रसाद ने कहा कि वित्तीय आश्वासन दिए जाने के बाद भी मंगलुरु विश्वविद्यालय में गुरुपीठ स्थापित करने के लिए एक पैसा भी नहीं दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि एडिगा, बिलावा, नामधारी और दीवारास समुदायों से ज्यादा ईसाई और मुस्लिम उम्मीदवारों को टिकट दिए जा रहे हैं।

गौरतलब है कि, कर्नाटक में चुनाव में जीत के बाद सिद्धारमैया को मुख्यमंत्री तो बना दिया गया। हालांकि पार्टी में उस समय मुख्यमंत्री पद किसे दिया जाये इस बात को लेकर बड़ी कशमकश हुई थी। सिद्धारमैया का मुख्यमंत्री बनना अभी भी निर्विवाद नहीं है वहां डी.के. शिवकुमार खेमे के नेता आये दिन बयानबाजियां करके डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने के दावे पेश करते रहते हैं।

यूक्रेन ने 26 हजार से ज्यादा सैनिक खो दिये हैं

- **रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि, युद्ध की शुरुआत से अब तक जवाबी कार्रवाई के दौरान यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने 26,000 से अधिक लोगों को खो दिया है।**

मॉस्को, 23 जुलाई (वार्ता)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने रविवार को कहा कि युद्ध की शुरुआत से अब तक जवाबी कार्रवाई के दौरान यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने 26,000 से अधिक लोगों को खो दिया है।

बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको ने पुतिन के साथ बातचीत के दौरान कहा कि जवाबी हमले की शुरुआत के बाद से अमेरिका यूक्रेन के 26,000 लोगों के नुकसान का अनुमान लगा रहा है।

पुतिन ने कहा, "यह आंकड़ा पहले से भी अधिक है।" रूसी नेता ने कहा कि विदेशी सैनिकों को भी "अपनी मूर्खता के कारण" यूक्रेन में बड़ा नुकसान उठाना पड़ रहा है।

पुतिन ने कहा, "किसी भी स्थिति में जिन देशों की सरकारें लोगों को संघर्ष क्षेत्र में भेजती हैं, उन देशों के नागरिकों और उन देशों की आम जनता को भी पता होना चाहिए कि वहां क्या हो रहा है। और हम उन देशों की जनता को सूचित करेंगे ताकि वे अपने नेताओं के कार्यों का आकलन कर सकें।"

अस्पताल में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ठहराया है। आरोपों का जवाब देते हुए अस्पताल के अधिकारियों ने कहा कि किसी भी मरीज की मौत ऑक्सीजन की कमी से नहीं हुई। उन्होंने मौते के पीछा कारण बीमारी बताया है।

हॉस्टल में तीन छात्रों की सांप के डसने से मौत

- **ओडिशा के क्योंझर जिले में यह हृदयविदारक घटना सामने आई है। तीनों छात्रों की उम्र 10 से 12 साल है। पुलिस ने बताया कि, तीनों छात्र फर्श पर बेसुध अवस्था में पाए गए थे।**

भुवनेश्वर, 23 जुलाई। ओडिशा के क्योंझर जिले में हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहां एक कोचिंग सेंटर के हॉस्टल में जहरीले सांप के काटने से दो लड़कियों समेत तीन छात्रों की मौत हो गई। तीनों नाबालिग बताए जा रहे हैं। उनकी उम्र 10 से 12 साल है। पुलिस ने रविवार को मामले की जानकारी देते हुए कहा कि तीनों छात्र फर्श पर बेसुध अवस्था में पाए गए थे। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित किया। एक अन्य की हालत गंभीर है।

मिली जानकारी के अनुसार, कोचिंग सेंटर के छात्रावास में हुई इस सनसनीखेज घटना के सामने आने के बाद से वहां रह रहे छात्रों में दहशत का माहौल है।

बारिश और बाढ़: गुजरात, मुंबई, वाराणसी और दिल्ली में आफत बनी

दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर एक बार फिर खतरे के निशान पर पहुँच गया है, गुजरात के सात जिलों में बाढ़, वाराणसी में गंगा नदी उफान पर

- **शनिवार को हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली में यमुना नदी का स्तर एक बार फिर खतरे के निशान के ऊपर चला गया है। वाराणसी में भी गंगा नदी उफान पर है यहां भी अगर गंगा नदी के जलस्तर में अगर और वृद्धी हुई तो हालात विकट हो जायेंगे।**
- **गुजरात के नवसारी और जूनागढ़ समेत कई जिलों में जल प्रलय से हुई तबाही से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है।**

अहमदाबाद, 23 जुलाई। बारिश के कारण देश के कई राज्य दिल्ली, गुजरात और मुम्बई में स्थिति विकट बनी हुई है। शनिवार को हरियाणा के हथिनी कुंड बैराज से पानी छोड़े जाने के कारण दिल्ली में यमुना नदी का स्तर एक बार फिर खतरे के निशान के ऊपर चला गया है। वाराणसी में भी गंगा नदी उफान पर है यहां भी अगर गंगा नदी के जलस्तर में अगर और वृद्धि हुई तो हालात विकट हो जायेंगे। गुजरात के नवसारी और जूनागढ़ समेत कई जिलों में जल प्रलय से हुई तबाही से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। मुम्बई में बीते तीन दिनों से लगातार हो रही बारिश के कारण वहां के जलाशय पचास प्रतिशत से ज्यादा भर चुके हैं। अगर मुम्बई में और बारिश हुई तो यहां भी स्थिति खराब हो सकती है।

अहमदाबाद सहित राज्य के दक्षिणी हिस्से और सौराष्ट्र क्षेत्र में भारी बारिश होने से बांधों एवं नदियों में जलस्तर खतरे के निशान तक पहुंच गया तथा शहरी क्षेत्रों एवं कुछ गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। जूनागढ़ में तो कई कारें और मवेशी पानी की तेज धार में बह गए। वहीं आज अहमदाबाद एयरपोर्ट में भी पानी घुस गया। इस बीच, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से बात की और राज्य के विभिन्न हिस्सों में बाढ़ जैसी स्थिति के बारे में जानकारी ली।

जानकारी के अनुसार, शनिवार को गुजरात के दक्षिणी और सौराष्ट्र क्षेत्रों के कई जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश हुई, जिससे शहरी क्षेत्रों में बाढ़ जैसी स्थिति पैदा हो गई और बांधों और नदियों में जलस्तर खतरे के स्तर तक बढ़ने के बीच गांवों का शहरों से संपर्क कट गया। शहर में शनिवार शाम चार बजे तक पिछले आठ घंटे में 219 मिलीमीटर बारिश हुई है। लोग सुरक्षित स्थानों तक पहुंचने के लिए कमर तक पानी में चलते हुए नजर आए। उनमें से कुछ को पानी की तेज धार से बचाने के लिए वॉलंटियर्स ने मदद की। नवसारी और जूनागढ़ जिले बारिश से सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। बारिश के कारण कई आवासीय क्षेत्रों और बाजारों में पानी भर गया।

प्रशासन ने लोगों से एहतियात बरतने का अनुरोध किया है और उनसे किसी अप्रिय घटना या आकस्मिक स्थिति में कंट्रोल रूम से संपर्क करने की अपील की है। लोगों को बांधों या उनके आसपास के क्षेत्रों में नहीं जाने की चेतावनी दी गई है। निचले इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के लिए बचाव टीमों को तैनात किया गया है।

दक्षिण गुजरात में नवसारी जिले में भारी बारिश हुई तथा बाढ़ के कारण शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में आम जनजीवन पटरी से उतर गया। राज्य आपात अभियान केंद्र ने बताया कि जिले के नवसारी और जलालपोर तालुका में शनिवार सुबह छह बजे से शाम 4 बजे तक क्रमशः 303 और 276 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई।

मूसलाधार बारिश होने से गलियों एवं निचले इलाकों में भारी जलभराव हो गया। इससे शहर में ट्रैफिक जाम हो गया। अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ के कारण नवसारी के निकट मुंबई-अहमदाबाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात जाम लग गया।

मिजोरम में आदिवासी मैतेई समुदाय...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

घटना को लेकर काफी आक्रोशित है। शुक्रवार को एक बयान जारी कर संगठन ने मिजोरम में रहने वाले मैतई समुदाय के लोगों को खुली धमकी दी थी।

संगठन ने मिजोरम में रहने वाले मैतई लोगों को धमकी देते हुए कहा था कि "अपनी सुरक्षा के लिए" जितना जल्दी हो सके, राज्य छोड़ दें। बयान में कहा गया है कि मणिपुर में कुकी और जोमी समुदाय की दो महिलाओं के साथ हुई वीभत्स घटना से मिजो लोगों की भावनाएं बहुत आहत हुई हैं और इसलिए अब यहां मैतई लोगों का रहना सुरक्षित नहीं है।

मिजोरम की राजधानी आइजोल में लगभग 2,000 मैतेई लोग रहते हैं, जिनमें सरकारी कर्मचारी, छात्र और श्रमिक शामिल हैं। उनमें से कई असम की बराक घाटी से हैं। शुक्रवार रात को बयान सामने आने के बाद मिजोरम के डी.आइ.जी. उत्तरी रेंज द्वारा एक आदेश जारी किया गया, जिसमें निर्देश दिया गया कि "आइजोल में मैतेई की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए" हर स्थान पर सुरक्षा कर्मियों को तैनात किया जाए। शनिवार दोपहर तक कुछ मैतई पहले से ही राज्य से बाहर जा चुके थे। उनमें से आइजोल में एक निजी कंपनी में काम करने वाली मैतेई समुदाय की महिला थी।

महिला ने बताया कि वह अपने चार लोगों के परिवार के साथ निजी वाहन से असम के कछार जिले में अपने घर जाएंगे।

उन्होंने कहा कि अब तक, उन्हें मिजोरम में खतरा महसूस नहीं हुआ है, और मिजो लोग "बहुत सौम्य, बहुत विनम्र" हैं। लेकिन अब, बहुत से मैतेई अपना सामान अपने किराए के घरों में छोड़कर भाग रहे हैं। बराक घाटी से बहुत से लोग सड़क मार्ग से जा रहे हैं और ऐसे भी बहुत से लोग हैं जो आइजोल हवाई अड्डे पर आश्रय तलाश रहे हैं। लोग काफी डरे हुए हैं।

इस बीच, मिजोरम गृह विभाग ने राज्य में रहने वाले मैतई लोगों को आश्वस्त करने की कोशिश की कि वे खतरे में नहीं हैं। द इंडियन एक्सप्रेस से बात करते हुए मिजोरम के गृह आयुक्त एच लालेंगमाविया ने कहा, मैंने आज पी.एम.आर.ए. से बात की और उन्होंने कहा कि उनके संदेश की गलत व्याख्या की गई है। उन्होंने कहा कि यह कोई धमकी नहीं बल्कि मैतेई लोगों की सुरक्षा के लिए चिंता की अभिव्यक्ति है, जो सद्भावना से जारी की गई है। इसके प्रभाव को देखते हुए हमने संकल्प लिया कि वे अपना बयान वापस ले लेंगे।

गृह विभाग ने भी शाम को एक बयान जारी किया जिसमें कहा गया कि गृह आयुक्त ने ऑल मिजोरम मणिपुरी एसोसिएशन के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें उनकी सुरक्षा का आश्वासन दिया। उन्होंने उनसे यह भी कहा कि "अफवाहों से गुमराह न हों और उन्हें अपने साथी मैतई लोगों को प्रेस वक्तव्य की दुर्भाग्यपूर्ण गलत व्याख्या के कारण राज्य न छोड़ने के लिए सूचित करने के लिए भी राजी किया"।

उधर, मणिपुर सरकार भी मिजोरम में मैतई समुदाय के लोगों की सुरक्षा को लेकर चिंतित है।

ट्विटर का...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

इसका मुख्यालय सैन फ्रांसिस्को, कैलिफोर्निया में था। वर्ष 2006 में मस्क द्वारा स्थापित एक्स कॉर्प के साथ विलय के परिणामस्वरूप ट्विटर कॉरपोरेशन का एक अलग कंपनी के रूप में अस्तित्व समाप्त हो गया। उन्होंने जून की शुरुआत में संकेत दिया था कि वह प्लेटफ़ॉर्म की पूरी क्षमता को उजागर करने के लिए ट्विटर को रीब्रांड करने पर विचार कर रहे हैं।

मस्क ने अपनी ज्यादातर कंपनियों के नाम और लोगो में एक्स को शामिल किया है। हाल ही में लॉन्च की गई आर्टिफिशियल कंपनी को भी एक्स ए.आई. नाम दिया गया है। उनकी की स्पेस 'एक्सप्लोरेशन टेक्नोलॉजीज कार्पोरेशन' कंपनी का नाम एक्सेस एक्स भी एक्स से मिलकर बना है। अब वह ट्विटर की चिड़िया लोगो को भी 'एक्स' से बदलने की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने एक ट्वीट में लिखा,लोगो ऐसा ही होगा लेकिन उसमें एक्स होगा।

भाजपा को लग सकता है झटका...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

है कि जातिगत जनगणना से विपक्ष को ज्यादा फायदा हो सकता है। क्योंकि इसका फायदा पिछड़ी जातियों को मिल सकता है।

अगर 2011 में हुई जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए जाते हैं और फिर दोबारा जातिगत जनगणना होती है तो भी भाजपा मुश्किल में फंस सकती है। दरअसल 2011 से अब तक ज्यादातर भाजपा का ही शासन रहा है। ऐसे में किसी जाति या वर्ग की संख्या कम होने पर भी भाजपा पर सवाल उठाया जाएगा। अब बड़ा सवाल यह है कि विपक्ष आम आदमी को जातिगत जनगणना की जरूरत और महत्व के बारे में समझा पाता है कि नहीं। अगर यह मांग केवल अपर क्लास तक सीमित रही तो विपक्ष को ज्यादा फायदा नहीं होगा।

ब्रिटिश शासनकाल में कई बार जनगणना करवाई गई और इसमें जाति की जानकारी भी दर्ज की जाती थी। हालांकि आजादी के बाद से इसमें केवल अनुसूचित जाति और जनजाति को ही जोड़ा गया। सरकार का कहना है कि 2010 में जो जातिगत जानकारी इकट्ठा की गई उसमें कई तरह की खामियां थीं इसलिए उसे सार्वजनिक नहीं किया गया। हालांकि इस बार की मांग 2024 में कितना बड़ा हथियार बनेगी, यह आने वाला वक्त ही बता सकता है।

2010-11 की जनगणना में जातिगत जनगणना करवाई गई थी लेकिन आंकड़े आज तक नहीं जारी किए गए। कर्नाटक में भी साल 2015 में जातिगत जनगणना करवाई गई पर आंकड़े नहीं जारी किए गए। बिहार में नीतीश कुमार की सरकार ने जातिगत सर्वे कराना शुरू किया था लेकिन अब यह मामला अदालत में है। खास बात यहा है कि जब नीतीश ने यह फैसला किया तब भाजपा उसकी सहयोगी थी। हालांकि अब भाजपा से अलग होकर नीतीश ने आर.जे.डी. के साथ सरकार बना ली है।

जातिगत जनगणना को लेकर एक डर भी है। दरअसल अगर इस तरह जनगणना होती है तो आरक्षण का संकट गहरा जाएगा। इन आंकड़ों के आधार पर आरक्षण की मांग की जाएगी। देश में आरक्षण के लिए लंबे समय से आंदोलन होते रहे हैं। ऐसा भी हो सकता है कि आरक्षण को लेकर कई आंदोलन खड़े हो जाएं। वहीं जानकारों का कहना है कि जातिगत जनगणना से विपक्ष को ज्यादा फायदा हो सकता है। क्योंकि इसका फायदा पिछड़ी जातियों को मिल सकता है।

अगर 2011 में हुई जातिगत जनगणना के आंकड़े सार्वजनिक किए जाते हैं और फिर दोबारा जातिगत जनगणना होती है तो भी भाजपा मुश्किल में फंस सकती है। दरअसल 2011 से अब तक ज्यादातर भाजपा का ही शासन रहा है। ऐसे में किसी जाति या वर्ग की संख्या कम होने पर भी भाजपा पर सवाल उठाया जाएगा। अब बड़ा सवाल यह है कि विपक्ष आम आदमी को जातिगत जनगणना की जरूरत और महत्व के बारे में समझा पाता है कि नहीं।

आंध्र प्रदेश में ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऊंची प्रभु राम की प्रतिमा युगों-युगों तक समग्र दुनिया को हमारे सनातन धर्म का संदेश देगी और वैष्णव परंपरा को देश और दुनिया में मजबूत करेगी। 108 हमारी हिन्दू संस्कृति में बहुत ही पवित्र संख्या है।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित मंत्रालयम गाँव में 10 एकड़ क्षेत्रफल में फैला हुआ यह प्रोजेक्ट ढाई साल में पूरा होगा। उन्होंने कहा कि मंत्रालयम गाँव राघवेन्द्र स्वामी के मंदिर के लिए बहुत प्रसिद्ध स्थान है। साथ ही, इस स्थान का ऐतिहासिक महत्व भी है, इसी तुंगभद्रा के किनारे महान विजय नगर साम्राज्य का उद्भव हुआ था जिसने आक्रान्ताओं को खदेड़ कर स्वदेश और स्वधर्म को पुनर्स्थापित किया। उन्होंने कहा कि मंत्रालयम साहित्य प्रकल्प के तहत आवास, अन्न दानम, प्राण दानम, विद्या दानम, पेयजल और गौ संरक्षण के कई सारे विषयों को आगे बढ़ाया गया है।

शाह ने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अयोध्या में कई वर्षों से लंबित राम मंदिर का शिलान्यास कर उसके निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया है। अब जल्द ही राम मंदिर में रामलला की मूर्ति की स्थापना होगी और सैकड़ों वर्षों के बाद एक बार फिर प्रभु राम अपने निज गृह में विराजमान होंगे।

ज्ञानवापी मस्जिद का सर्वे करने वाराणसी पहुंची ए.एस.आई. की टीम, आज से काम शुरू

वाराणसी जिला अदालत के आदेश पर आर्कियॉलजिल सर्वे ऑफ इंडिया (ए.एस.आई.) विभाग सोमवार से वुजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी मस्जिद के सम्पूर्ण परिसर का सर्वे शुरू करने जा रहा है

वाराणसी, 23 जुलाई। वाराणसी जिला अदालत डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश के आदेश पर आर्कियॉलजिल सर्वे ऑफ इंडिया विभाग सोमवार से वुजूखाने को छोड़कर ज्ञानवापी के सम्पूर्ण परिसर का सर्वे शुरू करने जा रहा है। एएसआई के लखनऊ, पटना, नई दिल्ली सहित कई राज्यों की टीम रविवार रात ही वाराणसी पहुंच गई। सर्वेक्षण अधिकारियों ने देर रात मंडलायुक्त कौशलराज शर्मा, डीएम एस. राजलिंगम व पुलिस आयुक्त मुथा अशोक जैन के साथ बैठक कर रूपरेखा तय की।

पुलिस कमिश्नर ने बताया कि, करीब 20 सदस्यीय टीम वाराणसी पहुंच गई है। सुबह 7 बजे से सर्वे शुरु होगा। पहले चरण में ज्ञानवापी के राजस्व रिकॉर्डों के आधार पर सेटेलमेंट प्लाट संख्या 9130 का मौका मुआयना किया जाएगा। परिसर के चारों ओर रेकी व नापजोख होगी। मिट्टी के सैम्पल लिये जाएंगे। एएसआई के दिल्ली प्रभारी के नेतृत्व में टीम सर्वे करेगी। इससे पूर्व सुरक्षा के सभी बिंदुओं पर जांच के बाद जांच आगे बढ़ाई जाएगी।

सर्वे को लेकर विश्वनाथ मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के रुटीन दर्शन-पूजन में कोई बाधा नहीं आने दी जाएगी। उधर सुप्रीम कोर्ट में मुस्लिम पक्ष के प्रार्थना पत्र सुनवाई संभावित है। दोपहर में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी दर्शन-पूजन करने जाएंगे। इसके साथ ही धाम परिसर में कथावाचक मोरारी बापू का भी कार्यक्रम प्रस्तावित है।

वाराणसी में काशी विश्वनाथ मंदिर से सटी ज्ञानवापी परिसर के सर्वे के आदेश पर वाराणसी की जिला जज की अदालत ने वुजू स्थल को छोड़कर ज्ञानवापी के अन्य परिसर का एएसआई सर्वे कराने की मांग मंजूर कर ली थी। ऐसे में शिवलिंग वाले क्षेत्र यानी वुजुखाने के अलावा अन्य क्षेत्र का सर्वे कराने का आदेश दिया था। जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने इस मामले पर 14 जुलाई को सुनवाई पूरी कर आदेश सुरक्षित रख लिया था। अदालत ने एएसआई के निदेशक को सर्वेक्षण के लिए आदेशित करते हुए 4 अगस्त तक रिपोर्ट मांगी है। 21 जुलाई को दिए आदेश में अदालत ने कहा था कि बिना कोई क्षित पहुंचाए वे वैज्ञानिक तरीके से सर्वेक्षण कराएं। अदालत ने हिन्दू पक्ष की दलीलों को मान लिया है। मुस्लिम पक्ष की आपत्तियों को खारिज कर दिया गया है। ऐसे में अदालत के फैसले को हिन्दू पक्ष अपनी बड़ी जीत बता रहा है। अदालत का फैसला आते ही हिन्दू पक्ष की तरफ से खुशी का भी इजहार किया गया।

श्रृंगार गौरी के पूजा का अधिकारी मांग रही चार महिलाओं लक्ष्मी देवी, सीता साहू, मंजू व्यास व रेखा पाठक ने 16 मई को जिला जज की अदालत में अर्जी देकर गुहार लगाई थी कि वुजूखाना को छोड़ शेष सभी हिस्सों का वैज्ञानिक तरीके से सर्वे कराया जाए। उनकी तरफ से अधिवक्ता विष्णुशंकर जैन ने इस दौरान पिछले साल वुजू खाने में हुए कोर्ट कमीशन की रिपोर्ट पेश करते हुए कहा था कि उस दौरान शिवलिंग जैसी आकृति मिली थी। आकृति की एएसआई जांच का मामला सुप्रीम कोर्ट में लम्बित है। वुजूखाने को सील किया गया है। ऐसे में उसके आसपास के क्षेत्र का एएसआई सर्वे किया जा सकता है। विष्णु जैन ने अदालत से कहा कि ज्ञानवापी परिसर का सर्वे हो तो एक और शिवलिंग मिल सकता है।

उन्होंने यह भी दावा किया कि ज्ञानवापी परिसर के पश्चिमी दीवार के पास खंडहरनुमा अवशेष, तीन गुम्बदों और व्यास जी के तहखाने की जांच भारतीय पुरातत्विक सर्वेक्षण, जीपीआर, वैज्ञानिक व डेटिंग पद्धित से कराई जाए। विष्णु जैन ने सर्वे व हिंदू मंदिर के समर्थन में कई सुबूत व तथ्य भी अदालत में रखे थे। अदालत ने 22 मई, 12 व 14 जुलाई को भी सुनवाई की थी। वहीं, मुस्लिम पक्ष का कहना है कि पहले श्रृंगार गौरी के पूजा का अधिकार मांगा गया और अब ज्ञानवापी के सर्वे की मांग केवल केस को उलझाने के लिए की जा रही है।

अजीत डोभाल ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कारण ही भारतीय सेना ने चुनौती का मुकाबला करने के लिए इस क्षेत्र में काफी सैन्य ताकत झोंक रखी है।

एन.एस.ए. डोभाल अपने करीबी दोस्त रूस, यू.ए.ई. और सऊदी अरब के एन.एस.ए. से मुलाकात करेंगे और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर यूक्रेन युद्ध के प्रभाव के बारे में विचारों का आदान-प्रदान करेंगे। इसके अलावा वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के दाहिने हाथ पेत्रुशेव को पूर्वी लद्दाख के साथ-साथ इंडो-पैसिफिक की स्थिति के बारे में भी चर्चा करेंगे। ब्रिक्स एन.एस.ए. बैठक में अफगानिस्तान में राजनीतिक रूप से अस्थिर स्थिति और अफगान-पाक क्षेत्र से उत्पन्न आतंकवाद और उसके प्रभाव पर भी प्रमुखता से चर्चा किए जाने की संभावना है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंभाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908